भू, खनन और शराब माफिया की कमर टूटी तो यूपी में बढ़ा निवेश : पीयूष

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री बोले, यूपी को दूसरे राज्यों में प्रतिनिधि भेजकर बताना चाहिए निवेश का तरीका

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि निवेश और राजस्व में यूपी को इतनी बड़ी सफलता दूसरे राज्यों के लिए सबक है। यह भू, खनन और शराब माफिया की कमर तोड़ने से संभव हुआ है। सरकार ने सबसे पहले इसी पर फोकस किया। वे रविवार को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अचुनिंग्टी इन एग्रीबिजनेस एंड सुगर इंडस्ट्री सेशन में बोल रहे थे। इस सत्र में आबकारी और चीनी उद्योग सेक्टर पर मंथन मंथन हुआ। समिट के आखिरी दिन आबकारी सेक्टर में 32 हजार करोड़ के निवेश की घोषणा की गई।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि यूपी को एक प्रतिनिधिमंडल बनाकर चाहिए जो सभी राज्यों में जाकर यह बताए कि कैसे माफिया को खत्म कर राजस्व बढ़ाया जाता है। आबकारी क्षेत्र में जिपे फेसिंग, डिजी लॉकर, सीसीटीवी का प्रयोग अद्भुत रहा जिससे राजस्व की चोरी रोकी जा सकी। प्रदेश के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2017 में 14273 करोड़ आबकारी विभाग से राजस्व मिला था, जबकि इस वर्ष 34371 करोड़ राजस्व मिला है। यह सरकार की नीतियों से संभव हुआ है।

अपर मुख्य सचिव चीनी एवं आबकारी संजय भूसरेड्डी ने बताया कि 25 हजार करोड़ निवेश लक्ष्य की तुलना में 32 हजार करोड़ के एमओयू होना दर्शाता है कि लोग इस क्षेत्र में आने के लिए यूपी की ओर आकर्षित हैं।

32 हजार करोड़ निवेश की घोषणा आबकारी सेक्टर में

स्थानीय फलों से खड़ा हो रहा है उद्योग

रोशन आर्गेनिक फार्म्स के निदेशक अनिल कुमार ने बताया स्थानीय फलों से भी वह इंडस्ट्रीज तैयार हो रही है। एग्रोइंडस्ट्री में सभी के रस से अलावा स्थानीय फलों का भी खासा योगदान है। इससे किसानों की आय में भी वृद्धि हो सकती है। किसान भी ऐसे फलों की पैदा कर इस उद्योग से जुड़ सकते हैं।

अवसरों की नहीं, स्किल्ड युवाओं की कमी है

7000 करोड़ के एमओयू कौशल विकास विभाग ने किए

लखनऊ। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि आज अवसरों की कोई कमी नहीं है। फिर चाहे रोजगार हो या नौकरी, हर क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं। बस जरूरत है स्किल्ड युवाओं की। स्किल्ड युवाओं की अब भी कमी है। हमारे युवा स्किल्ड, ट्रेंड नहीं होंगे तो देश लंबी छलांग नहीं लगा सकेगा। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 'दी इंटीग्रेटिंग स्किल डेवलपमेंट ईको सिस्टम इन उत्तर प्रदेश' विषयक सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में लाखों करोड़ का निवेश होने से निजी और सरकारी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर नौकरियां आएंगी। मगर इसके लिए हमें स्किल्ड मैनपावर की जरूरत होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति कौशल विकास की इसी मूल भावना को प्रोत्साहित करती है। भारत को विकसित देश बनाने में सबसे बड़ा योगदान कौशल विकास क्षेत्र का होगा। जरूरत देश की युवा शक्ति को सही दिशा में आगे बढ़ाने की है। कार्यक्रम में ओला, टीमोट्स, टाटा, फ्लिपकार्ट, कायाकल्प विभाग, आईआईटी मंडी, आईकोम इंडिया, दिव्यांगजन समिति, ट्रांसफार्म फाउंडेशन तथा आकांक्षा समिति के साथ करीब 7000 करोड़ का एमओयू हुआ। इससे पांच साल में 7.50 लाख लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। ब्यूरो

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कपिलदेव अग्रवाल की मौजूदगी में अलग-अलग कंपनियों ने करीब 7000 करोड़ के निवेश का एमओयू किया। संवाद

हमें थ्री इडियट नहीं तैयार करने हैं

गोयल ने कहा कि हमें थ्री इडियट नहीं तैयार करने हैं। वहां ऐसे युवा निकले जो फिर उन्हें जनरल इंजीनियर बनाते हैं। जबकि वे फोटोग्राफी में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं। हमें युवाओं की उनकी रुचि, पसंद के अनुरूप तैयार करना है। हर क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं।

देहरादून के विवि ने की सात सौ करोड़ निवेश की पेशकश

लखनऊ। देहरादून स्थित ग्रैफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी ने यूपी में खेती व खाद्य प्रसंस्करण की आधुनिक तकनीक के लिए 700 करोड़ रुपये निवेश की पेशकश की है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में विवि ने इससे जुड़े पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना पेश की। चेयरमैन डॉ. कमल घनशाला ने कहा कि सरकार के साथ एमओयू होने के तीन माह के भीतर इस योजना पर काम शुरू कर दिया जाएगा।

डॉ. कमल घनशाला

घनशाला ने बताया कि विवि यूपी की जरूरतों के हिसाब से ही कोर्स विकसित कर रहा है। पैकिंग, कीटनाशक, खाद्यप्रसंस्करण आदि के लिए अलग-अलग पाठ्यक्रमों की शुरुआत की जाएगी, ताकि छात्र विशेषज्ञता हासिल कर अपना भविष्य संवार सकें। उन्होंने नोएडा में निवेश का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने बताया कि विवि सरकार कौशलआईआरएफ रैंकिंग में लगातार तीन वर्षों से टॉप 100 विवि में शामिल है। दुनिया की सबसे छोटी और सस्ती, वायिस के आवाज के बराबर ईमोजी मशीन का आविष्कार करने वाले राजा जैन ने भी इसी यूनिवर्सिटी से भेंटेक किया है। इस मौके पर विवि के कुलपति डॉ. नरविंदर सिंह, निदेशक इन्फ्रास्ट्रक्चर डॉ. सुभाष गुप्ता और आईटी एक्सपर्ट आदित्य अग्निहोत्री भी शामिल थे। ब्यूरो

देश के विभिन्न प्रदेशों की महिला उद्यमियों ने जीएसआई में अपने हुनर को किया प्रदर्शित

महिला स्टार्टअप : छोटी शुरुआत से करोड़ों तक पहुंचा कारोबार

लखनऊ। देश-प्रदेश की महिला उद्यमियों ने छोटी शुरुआत कर अपने उद्योग को अब करोड़ों तक पहुंचाया है। वहीं महिला स्टार्टअप कम उम्र में नई तकनीक का इस्तेमाल कर अपने हुनर का देश ही नहीं बल्कि विदेशों तक लोहा मनवा रही हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आयोजित ग्लोबल ट्रेड शो में प्रदर्शनी के जरिये अपनी तकनीक और उत्पाद को प्रदर्शित करने आई महिला उद्यमी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ फोटो सेशन का मौका पाकर खुश हुईं। अमर उजाला ने महिला उद्यमियों से खास बातचीत की...

छह साल में आया है सकारात्मक बदलाव

मैं एक पेपर बैग्स बनाती हूं। मोदी जी ने हर घर तिरंगा को खास कहा है। हम एक करोड़ तिरंगा झंडे बनाकर आपूर्ति करेंगे, उसमें कोई लाभ नहीं कमाएंगे। हमारे यहां केवल महिलाएं ही काम करती हैं, जो महिलाएं अपने परिवार की मदद के लिए काम करना चाहती हैं उन्हें हम मौका देते हैं। प्रदेश में बीते छह वर्ष में सकारात्मक बदलाव आया है। - इन्नम्मा, नौकर लखनऊ

बनारसी सिल्क में किया इनोवेशन

हम बनारसी में बनारसी सिल्क की साड़ियां और सिल्क के कपड़े बनाते हैं। उसमें हम हथकरघा के जरिये डाइंग काम कराती हैं। सिल्क की साड़ियों और कपड़ों में नई तकनीक और डिजाइन का उपयोग कर रही हैं। पहले छोटी लागत पर शुरुआत की थी, अब कारोबार बहुत अच्छा है। हमारी तकनीक को देश और विदेश में पसंद किया जा रहा है। हमारे उत्पाद कई देशों में निर्यात भी होते हैं। - अदिति रस्तोगी, वाराणसी

हाथ से कढ़ाई, पूरी दुनिया में पसंद आई

हम लोग कपड़े पर हाथ से कढ़ाई का काम करते हैं, पहले मैंने अकेले काम शुरू किया था। अब कई महिलाएं मेरे साथ काम करती हैं। हाथ से चलाकर कढ़ाई का काम पूरी दुनिया में पसंद किया जाता है। समिट में अपने का मौका मिला है, कई निवेशकों ने व्यापार के लिए बात की है। खादी का प्रचलन बढ़ रहा है। युवा भी खादी को पसंद कर रहे हैं, इसलिए इसमें अच्छा स्कोप है। नीलू आहिर, कच्छ गुजरात

बनने से पहले ही देखें घर की तस्वीर

हमने वर्चुअल रियलटी के लिए सॉफ्टवेयर तैयार किया है। घर घर बनने से पहले ही नक्शे और ग्राफिक डिजाइन के आधार पर उसकी वर्चुअल तस्वीर तैयार कर देता है कि घर बनने के बाद कैसा नजर आएगा। देश के बड़े बड़े बिल्डर्स इस सॉफ्टवेयर का उपयोग कर रहे हैं। लोकार्पण में इसे पसंद किया गया है, कई निवेशकों ने बात की है। -जैनिका गुप्ता, नोएडा

खादी पर बना रहीं मधुबनी पेंटिंग

उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने खादी फॉर नेशन और खादी फॉर फैशन का मंत्र दिया है। उसी के आधार पर हम खादी को डिजाइन साड़ियां बना रहे हैं। खादी पर मधुबनी पेंटिंग कर रहे हैं। हमारी साड़ियों को अच्छा रेस्पांस मिल रहा है। प्रदर्शनी में भी लोगों ने इसे समझा है। -ममता कुमार, पटना बिहार

यूपी के औद्योगिक विकास के लिए वरदान साबित होगी जीआईएस

लखनऊ। औद्योगिक विकास मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तीन दिन यूपी को औद्योगिक निवेश यात्रा के लिए मिल का पत्थर साबित होंगे। ये तीन दिन प्रदेश की उद्योग, ढांचागत विकास और अर्थव्यवस्था के लिए वरदान साबित होंगे। हैं। समिट के समापन समारोह को संबोधित करते हुए नंदी ने कहा कि निवेश के प्रारंभिक स्तर से तीन गुना से अधिक राशि के एमओयू साइन होना समिट की सफलता का प्रमाण है।

नंदी ने कहा कि समिट का समापन समारोह नहीं है। यहां से उत्तर प्रदेश को औद्योगिक विकास यात्रा का नया अध्याय शुरू हो रहा है, इससे यूपी को उत्तम निवेश प्रदेश के रूप में विश्व स्तर पर प्रसिद्धि प्राप्त होगी। साथ ही उत्तर प्रदेश और अधिक समृद्ध होगा तो भारत भी और समृद्ध होगा। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले के उत्तर प्रदेश और 2017 के बाद के उत्तर प्रदेश में जमीन आसमान का अंतर साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक ओर प्रदेश की आध्यात्मिक धरोहर को सजाया व संवारा जा रहा है। वहीं दूसरी ओर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी नए पंख और नई उड़ान मिली है। ब्यूरो

2472 करोड़ के करार से खेलों को मिलेगा प्रोत्साहन

खेल मंत्री की उपस्थिति में समझौतों पर हुए दस्तखत, कहा- भारत को सुपरपावर बनाएंगे

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर की मौजूदगी में प्रदेश में खेल प्रोत्साहन के लिए 2472 करोड़ रुपये के निवेश अनुबंध हुए। संवाद

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अनुराग ठाकुर ने कहा कि विश्व में सबसे अधिक युवा आबादी वाले देश भारत को खेलों की सुपरपावर बनाना लक्ष्य है। देश में सबसे अधिक युवाओं वाले राज्य उत्तर प्रदेश को भी नकारा नहीं जा सकता है। सीएम योगी ने टोक्यो ओलंपिक और पैरालंपिक पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित कर यह जताया भी है कि यूपी सरकार खेलों के प्रति कितनी गंभीर है। ठाकुर ने ये बातें रविवार को समिट में खेल क्षेत्र के दौरान कही। इस मौके पर प्रदेश में खेल प्रोत्साहन के लिए 2472 करोड़ रुपये के निवेश के अनुबंध हुए।

ठाकुर ने कहा कि यूपी सरकार ने कुश्ती एवं बैडमिंटन को खेल लेकर खेलों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित की है। सीएम योगी कॉर्पोरेट एवं निजी सेक्टर्स के जरिए खेल से संबंधित बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। प्रदेश के खेलमंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर स्टेडियम बनाया गया है। खिलाड़ियों को दी जाने वाली पुरस्कार राशि को दोगुना किया गया है।

ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट अभिनव बिंद्रा, क्रिकेटर सुरेश रैना, ड्रोन मोटो जीपी के मुख्य रणनीतिक अधिकारी कार्लोस, पूर्वांचल बिजनेस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर के एमडी पॉल जेनसेन समेत खेल जगत की कई हस्तियों ने अपने अनुभव साझा किए।

गांवों में बने 30 हजार स्टेडियम

अपर मुख्य सचिव खेल डॉ. नवनीत सहगल ने कहा कि यूपी की लगभग 56 प्रतिशत आबादी युवा है। इसी पर फोकस करते हुए हम गांव-गांव तक पहुंच रहे हैं। 30 हजार गांवों में स्टेडियम बन चुके हैं। सुपरिटेंडेंट बिजनेस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर द्वारा प्रदेश में खेल से जुड़ी टेक्नोलॉजी सेवा करने और पूर्वांचल निवेशक को निवेश करने हेतु एमओयू किया गया। समूह में बच्चों को खेलने के लिए प्रेरित करने के लिए विश्व बैंक द्वारा एमओयू किया गया है।

मोटो जीपी रेस से पांच हजार को मिलेगा रोजगार : कार्लोस

ड्रोन मोटो जीपी के मुख्य रणनीतिक अधिकारी कार्लोस एलोंसेरा ने कहा कि भारत रोमांचिता चाहती का बड़ा बाजार है। मोटो जीपी एक खेल के तौर पर भारत में बेहद लोकप्रिय होने की क्षमता रखता है। मिलाकर में होने वाली रेस दुनिया के 195 देशों में प्रसारित की जाएगी। भारत में मोटो जीपी रेस के लिए 3000 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय कर्मी और 10 हजार से अधिक घरेलू आगंतुक मिलाकर में भारत आएंगे। इसमें पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा और पांच हजार से अधिक अस्थायी रोजगार के अवसरों का सृजन भी होगा।

यूपी में बढ़ा खेलों का ग्राफ : अभिनव बिंद्रा

पूर्व ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट अभिनव बिंद्रा ने कहा कि पिछले कुछ सालों में यूपी की खेल सुविधाओं का ग्राफ बढ़ा है। यहां शहर के साथ ग्रामीण स्तर पर प्रतिभाओं को निखारने का काम हो रहा है, यहां पर काफी संभावनाएं हैं। इसे देखते हुए हमने यहां आकर 100 करोड़ निवेश करने का फैसला किया है। इससे हम यहां शूटिंग रेंज सेंटर की स्थापना करेंगे। मेरी इच्छा है कि यहां सभी खेलों को समान रूप से आगे बढ़ाया जाए।

इंडिया ड्यूटी ग्रुप : विदेशों में जाकर की देश की सेवा

भारतीयों की मदद के लिए दो एनआरआई दोस्तों ने बनाया सहायता समूह

लखनऊ। कोविड-19 महामारी के दौरान विदेश में रहने की वजह से अपनों की मदद न कर पाने की कसक दूर करने के लिए दो एनआरआई दोस्तों ने इंडिया ड्यूटी ग्रुप की स्थापना की है। इस ग्रुप के माध्यम से कोरोना संक्रमण के दौरान लोगों को ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर, ऑक्सीजन सिलेंडर और जरूरी सामान मुहैया कराए गए। रोटरी क्लब और एक कोशिश ऐसी भी, जैसी संस्थाओं के साथ मिलकर यह अभियान आगे बढ़ाया गया। अब इस ग्रुप के माध्यम से बेसहारा बच्चों की पढ़ाई का जिम्मा उठाया जा रहा है।

इंडिया ड्यूटी ग्रुप के संस्थापक विजेंद्र सिंह और राजीव सिंह ने बताया कि कोविड-19 के बाद हमने अभियान को सेवम नाम दिया है। इसके तहत अनाथ और बेसहारा बच्चों की पढ़ाई की पूरी जिम्मेदारी उठाई जाती है। इतना ही नहीं, बच्चों को शिक्षा के साथ ही स्किल सिखाने काम भी इस ग्रुप के माध्यम से किया जाता है। कई बार ऐसा देखा गया है कि बच्चे स्कूली तो पढ़ लेते हैं, पर काम करने लायक कौशल उनके पास नहीं होता। इसे दूर करने के लिए उनको प्रशिक्षित करने का काम भी किया जाता है। विभिन्न सामाजिक संगठनों के माध्यम से यह अभियान चलाया जाता है। विदेशों में बसे भारतीय इसका खर्च जुटाते हैं।

शिक्षा में संस्कार और तकनीक के समन्वय से खुलेंगे रोजगार के द्वार

लखनऊ। उच्च शिक्षा, चिकित्सा एवं प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी व इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री नंदगोपाल नंदी ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 शिक्षा को नए कलेवर से जोड़ने के लिए लाई गई है। इसमें शिक्षा के साथ संस्कार व तकनीक को जोड़ा जा रहा है जिससे रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। वे इन्वेस्टर्स समिट में 'डिजीटल नेशनल एजुकेशनल पॉलिसी 2020' विषयक चर्चा में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्कार देती है, संस्कार से समाज सशक्त होता है। शिक्षा मात्र किताबी के लिए नहीं है। यह ज्ञान और अनुसंधान, समाज और सरकार से भी जुड़े। इस अवसर पर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में 1.59 लाख करोड़ के 74 एमओयू भी हुए। इसमें सहारा सुविधाओं, महर्षि एजुकेशनल सुविधाओं आदि शामिल हैं। इससे 6.84 लाख रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ब्यूरो

निवेश के साथ विकास के सामाजिक आयामों पर ध्यान देना भी जरूरी

केंद्रीय बजट की सातों प्राथमिकताओं पर जीआईएस में चर्चा की प्रशंसा की

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के समापन के अवसर पर कहा कि निवेश के साथ विकास के सामाजिक आयामों पर ध्यान देना जरूरी है। दूसरे देशों के निवेशक यूपी में निवेश करने के लिए उत्सुक हैं। इसके लिए उन्होंने पार्टनर देशों की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा, केंद्र सरकार ने जो बजट प्रस्तुत किया, उसमें अमृत काल के लिए कुछ महत्वपूर्ण लक्ष्य तय किए गए हैं। इसमें इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, समग्र विकास, इंक्लूसिव ग्रोथ और चार अन्य क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। बजट की इन सातों प्राथमिकताओं से जुड़े विषयों पर इस यहां समिट में चर्चा हुई।

राष्ट्रपति ने कहा, डेरी और पशुपालन के क्षेत्र में अवसरों जैसे सत्र आयोजित करके अच्छी पहल की गई है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। नवीनीकरण ऊर्जा के विकास से प्रदेश में सतत विकास की दिशा में प्रगति हो रही है। इलेक्ट्रिकल वाहन की सबसे अधिक बिक्री प्रदेश में हुई है। यहां के ग्लोबल ट्रेड शो में महिला उद्यमियों और महिला शिल्पकारों को विशेष स्थान दिया गया। मुर्मू ने कहा कि प्रदेश में विकास के सामाजिक आयामों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यहां आर्थिक विकास के साथ ही सामाजिक, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विकास के प्रयास भी किए जा रहे हैं। समिट में महिला उद्यमियों व शिल्पकारों को खासी भागीदारी दी गई।

राजस्थान आनंदी बेन पटेल ने रविवार को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में शिरकत करने आई राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सम्मान में राजस्थान में सम्मिलित दिखा। - विशेष

यूपी के आगे बढ़ने से देश होगा समृद्ध : राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा के द्वार ग्रामीणों और सामाजिक उन्नति के लिये खुलते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से भारत को वैश्विक सुपर पॉवर बनाने की महत्वाकांक्षा के साथ अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। भारत की विरासत से युवाओं को जोड़ते हुए उन्हें 21 वीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार करना राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा, यूपी समृद्ध होगा तो भारत और अधिक समृद्ध होगा।

उत्कृष्ट प्रदेश बनाने में कारगर होगी समिट की भूमिका : राज्यपाल

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि नीतिगत सुधारों को सामने रख उत्तर प्रदेश ने देश-दुनिया के लोगों को निवेश के लिए आमंत्रित किया है। इस समिट की भूमिका यूपी को उत्कृष्ट प्रदेश बनाने में कारगर होगी। यह समिट किसी औपचारिकता नहीं है। सुशासन के आधार पर प्रधानमंत्री और सामान्य आधार पर राष्ट्रपति का मार्गदर्शन मिलना इस समिट की सफलता की निशानी है। प्रदेश ने विगत पांच-छह वर्षों में एक नई पहचान बनाई है। आज उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में है। यह देश का ग्रोथ इंजन बन रहा है।

समिट की सफलता ऊंचाई पर पहुंची

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के समापन पर कहा कि समिट में प्रदेश सरकार को केंद्र सरकार, दस पार्टनर कंट्री का सहयोग मिला। उद्योग जगत से जुड़ी सभी बड़ी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ देश के सभी प्रमुख उद्योगपतियों ने सहभागिता कर सफलता की नई ऊंचाई पर पहुंचाने में योगदान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी बड़ी कुशल और अकुशल युवा शामिल भी नहीं हैं। सरकार ने 25 सेक्टर चिह्नित कर वादाखिलाफी नीतियां बनाई और उसका परिणाम है कि वैश्विक निवेशक समुदाय यहां निवेश करने को तत्पर है।

दिखा भारत का बढ़ता सम्मान

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते नौ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विश्व में देश का सम्मान बढ़ा है। समिट में उसका लाभ यूपी को मिलता दिखा। वैश्विक व्यापार बदलाव यूपी की ओर आकर्षित दिखाई दिया। - मुख्यमंत्री ने कहा कि समिट के दौरान 500 से अधिक बिजनेस टू गवर्मेंट बैठक, 1100 से अधिक बिजनेस टू बिजनेस बैठक आयोजित की गईं। सीम डिजीटल समिट में 25 हजार लोगों ने सहभागिता की है।